आज का पुरुषार्थ by Suraj Bhai

Date: 10 March, 2022 **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"स्वयं भगवान हमें सिलेक्ट किये है, तो आज अपने को मास्टर सर्वशक्तिमान की सीट पर सेट रखने का पूरा पूरा पुरुषार्थ करे"*

स्वयं सर्वशक्तिमान ने इस धरा पर आकर अपना महान रूद्र गीता ज्ञान यज्ञ रचा है। जिसके द्वारा युग परिवर्तन होगा। जिसमें सभी के विकारों की आहुति पड़ जायेगी। जिसमें सभी के पाप और पापी भी नष्ट हो जायेंगे।

ऐसा महान यज्ञ जिसकी जिम्मेदारी स्वयं बाबा ने हम सभी के कंधो पर दी है। हमारा परम कर्तव्य है हम उसमें सम्पूर्ण सहयोग करे। और उसको निर्विघ्न बनाने के लिए तैयार रहे।

हमारा सहयोग बाबा के इस महान कार्य को सम्पन्न करता है। हम तन का सहयोग दे। अपनी धन का भी दे। और अपनी योग्यता का भी दे। लेकिन विशेष रूप से अपनी वृत्तियों को शुद्ध करके अपनी प्योरिटी का अपने योगबल का अपने श्रेष्ठ वायब्रेशन्स का सहयोग इस यज्ञ को दे।

रह हमारा बहुत बड़ा भाग्य है कि भगवान ने हमें अपने यज्ञ का कार्य दिया है। जिम्मेदारी दी है। हम पर विश्वास किया है। हम इस विश्वास पर खड़े उतरे।

लेकिन कुछ लोग स्वार्थ वश भगवान के इस यज्ञ में विघ्न डालते है। वह कोई पद पाने के लिए विघ्न स्वरुप बनते है। और वह समझते है हम तो बिल्कुल राईट है, हम ठीक कर रहे है। सत्ता हमारे हाथ होनी चाहिए। हम ही योग्य है।

वह भूल जाते है कि इस यज्ञ को चलाने वाला कौन है? यहाँ तो सब निमित्त मात्र है। बाकी किसी में कोई ताकत नहीं। और यह भी जान लेना चाहिए इस यज्ञ में विघ्न कोई कितना भी डाले, इस यज्ञ का कुछ नहीं बिगड़ेगा। विघ्नकारी आत्मायें स्वयं ही जलकर नष्ट हो जायेगी।

यह यज्ञ तो सम्पन्न होना ही है। क्योंकि इसके पीछे न केवल स्वयं भगवान है, प्रजापिता ब्रह्मा भी है। और अष्टरतन और एक शौ आठ विजयी रतन भी है। जिनकी महान पवित्रता, जिनका शक्तिशाली योग इस यज्ञ को सम्पन्न करके ही रहेगा।

तो हम सभी सहयोगी बने, विरोधी नहीं। मैं इंचार्ज बनु इस संकल्प से यज्ञ में बांधा उत्पन्न न करे। तो आइये हम सभी इस महान कार्य को सम्पन्न करे। और बाबा के दिल को जीत कर उससे अनेक वरदान प्राप्त करे।

स्वयं भगवान जो स्वयं वरदाता है, हमें वरदान देने आ गया है। उसका वरदानी हाथ हमारे सिर पर है। वो कुछ आत्मा को इस यज्ञ को पूर्ण करने के लिए तैयार कर रहा है। उसकी कार्य करने की विधि इस संसार में बहुत कम लोग जानते है। न जाने किस किस पर उनकी नज़र है, न जाने किस किस को शक्तियाँ देकर वो अपने इस महान यज्ञ को निर्विघ्न करेगा और इसको सम्पूर्ण सफल करेगा।

हमारा तो इतना ही कर्तव्य है कि हम इसमें सहयोगी बने। और बाबा के प्यार के पात्र बन जाये। कितना अच्छा शुद्ध संकल्प होगा कि हम मन में यह संकल्प करे कि बाबा का यह कार्य मुझे सफल करना है। इसमें मुझे कोई स्वार्थ नहीं रखना है।

मेरा स्वार्थ, मेरा निगेटिव वायब्रेशन, मेरा क्रोध, मेरी कोई इम्पुरीटी इसमें बाधक है। तो आईये आज सारा दिन हम अपने को यज्ञ का मालिक और जिम्मेदार समझे। और यह फील करते रहे कि ....

" बाबा की दृष्टि मुझ पर है .. वो मुझे बल दे रहा है .. उससे मुझे महान कार्य कराने है "

कराने वाला भी वही, बल देने वाला भी वही, योग्यतायें भरने वाला भी वही। हम केवल अपने चित को तैयार करे उन महान कार्य के लिए।

तो आज सारा दिन इस गुड प्रैक्टिस में रहेंगे कि ...

" **परमधाम से सर्वशक्तिमान की शक्तियाँ मुझमें समा रही है** .. उनके सम्पूर्ण शक्तियाँ मेरे पास है .. शक्तियों का एक पावरफूल फाउन्टेन मुझ पर पड़ रहा है .. मैं हूँ मास्टर सर्वशक्तिमान .. परमात्म शक्तियाँ मेरे पास है .. स्वयं सर्वशक्तिमान भी मेरे साथ है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org